SANKALP PRAKASHAN

ISBN: 978-81-23010-01-4

पुस्तक का नाम

सफ़री जूँ का रोमांचक सफ़र

लेखक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

© लेखक

प्रकाशक:

संकल्प प्रकाशन

वर्ष 2014

मुद्रक:

साक्षी ऑफसेट, कानपुर

SAFARI JOON KA ROMANCHAK SAFAR

By: Dr. Suresh Kumar Mishra 'Uratript' Price: 60/-

रोहन के सिर के घने बालों के जंगल में एक नन्हा जूँ रहता था, जिसका नाम था सफ़री। वह कोई आम जूँ नहीं था। वह एक खोजकर्ता था, जो अपने बालों की दुनिया से परे नए-नए सिरों की खोज करने का सपना देखता था।

एक दिन सफ़री सबसे बुद्धिमान जूँ, दादा जूँ के पास गया। उसने उन्हें अपने सपने के बारे में बताया। दादा जूँ ने उसे खतरों के बारे में चेताया: "बाहर 'शैम्पू की भयानक बाढ़' और 'कंघी वाले राक्षस' का खतरा है!"

लेकिन सफ़री बहादुर था। स्कूल में, जब रोहन ने अपनी दोस्त प्रिया को गले लगाया, तो सफ़री को अपना मौका मिल गया। उसने हिम्मत दिखाई और 'गले मिलने वाले पुल' को पार करके प्रिया के सिर पर छलाँग लगा दी।

प्रिया का सिर एक नई दुनिया थी!
यहाँ के बाल लंबे थे और उनसे
फूलों की खुशबू आ रही थी। यह
एक खूबसूरत, रेशमी दुनिया थी।
सफ़री यह सब देखकर हैरान था।

जल्द ही उसकी मुलाकात एक और जूँ, रेशमा से हुई। रेशमा ने अपनी दुनिया में उसका स्वागत किया और उसे भोजन खोजने की सबसे अच्छी जगहें दिखाईं।

वे दोनों बालों में लगे क्लिप और रिबन के बीच लुका-छिपी खेलते। सफ़री को इतना मज़ा पहले कभी नहीं आया था। वह और रेशमा पक्के दोस्त बन गए।

लेकिन एक सुबह, खतरा आ गया! 'शैम्पू की भयानक बाढ़' आ गई। झाग और पानी की एक विशाल लहर उनकी दुनिया में घुस आई।

जैसे ही बाढ़ कम हुई, भयानक 'कंघी वाला राक्षस' प्रकट हुआ! उसके विशाल दाँत उन्हें पकड़ने के लिए जंगल में घुस आए। "भागो!" रेशमा चिल्लाई।

सफ़री को दादा जूँ की बातें याद आईं। उसने रेशमा का हाथ पकड़ा और वे बालों की जड़ में गहराई से छिप गए, ठीक उसी समय जब राक्षस उनके ऊपर से गुज़रा। वे सुरक्षित थे!

इस रोमांच के बाद, सफ़री को एहसास हुआ कि नई दुनिया की खोज करना रोमांचक है, लेकिन दोस्त और एक सुरक्षित घर होना सबसे ज़रूरी है। उसने अपनी नई दोस्त रेशमा के साथ प्रिया के बालों की खूबसूरत दुनिया में ही रहने का फैसला किया, और वे एक साथ आने वाले नए रोमांच के लिए तैयार थे।